卐 श्री सदगुरू देवाय नमः 卐 卐ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यः शोकवह्निं जनकात्मजायाः आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त
हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 24 ♦अंक 61 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦शुक्रवार ♦8 दिसम्बर 2023 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

सामर्थ्य से भरी है देवभूमि: मोदी

इनवेस्टर्स समिट में पीएम मोदी ने कहा-आने वाले दिनों में टूरिज्म का एक सशक्त ब्राण्ड बनकर उभरेगा उत्तराखण्ड

देहरादून (उद संवाददाता)।वन अनुसंधान संस्थान में उत्तराखंड वैश्विक निवेशक सम्मेलन का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विधिवत शुभारम्भ किया। इस दौरान प्रधानमंत्री के साथ राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि), मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे और धामी कैबिनेट के मंत्री मौजूद रहे। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी का सम्मेलन स्थल पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री ने सम्मेलन स्थल पर लगे स्टाल का निरीक्षण किया। सम्मेलन के शुभारम्भ के मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गयी। सबसे पहले कलाकारों ने पारंपरिक स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इस दौरान प्रधानमंत्री पहाड़ी टोपी और वास्केट में खास अंदाज में नजर आए।प्रधानमंत्री मोदी ने शिखर सम्मेलन के मंच से मोदी ने बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि मैं देशवासियों को भरोसा दिलाता हूं कि मेरे तीसरे कार्यकाल में देश, दुनिया के टॉप 3 इकॉनमी में आकर रहेगा। प्रधानमंत्री ने मंच से कहा कि जिसमें दम हो, मैदान में आ जाएं, फायदा उठा लें। मैं गारंटी देता हूं कि जो बातें हम बताते हैं उन्हें पूरा कराने के लिए हम खड़े भी रहते हैं। उन्होंने कहा कि मेरे जीवन के एक पहलू को बनाने में इस धरती का बड़ा योगदान है। कहा कि अगर उसे कुछ (शेष पृष्ठ सात पर)

लक्ष्य से अधिक निवेश, लाखों रोजगार होंगे सृजित: धामी

देहरादून। सम्मेलन में मुख्यमंत्री धामी ने अपने सम्बोधन में सबसे पहले प्रधानमंत्री मोदी, राज्यपाल समेत अन्य अतिथियों व उद्यमियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि देश की अनेक विभूतियों ने दिशा दिखाने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा, हमने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में निवेशकों के साथ 2.5 लाख करोड़ रुपए के एमओयू पर हस्ताक्षर का लक्ष्य रखा था। मुझे बताते हुए खुशी हो रही है कि हम अपने लक्ष्य से अधिक निवेश के प्रस्तावों पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। राज्य में विभिन्न सेक्टर में निवेश के लिए अभी तक तीन लाख करोड़ रुपये समझौता ज्ञापन (एमओयू) हो चुके हैं। इनमें से 44 करोड़ रुपये का निवेश ग्राउंडिंग के लिए तैयार है। इससे लाखों रोजगारों का सृजन होगा। मुख्यमंत्री धामी ने कहा आर्थिकी व पारिस्थितिकी में समन्वय के साथ राज्य को अग्रणी राज्य बनाना है। हर दो साल में ऐसे सम्मेलन करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भारत ही नही बल्कि विश्व के अन्य देश भी प्रधानमंत्री मोदी की सोच और उनके विचारों का अनुसरण करते हैं। हम भी प्रधानमंत्री मोदी के आदर्शों पर चलकर उत्तराखण्ड को सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने का प्रयास कर रहे हैं। राज्य का समुचित विकास (शेष पृष्ठ सात

हाउस ऑफ हिमालयाज की लॉचिंग

देहरादून। राज्य के सभी उत्पादों को अब एक नाम से पहचाना जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज वैश्विक निवेशक सम्मेलन के दौरान रिमोर्ट का बटन दबाकर हाउस ऑफ हिमालयाज की लांचिंग की। अभी तक हिमाद्री, हिलांस, ग्राम्यश्री जैसे तमाम उत्पाद अलग-अलग नाम से बाजार में जाते हैं, लेकिन अब सभी हाउस ऑफ हिमालयाज के नाम से पहचाने जाएंगे।

मैं तुमको शीश नवाता हूं......

देहरादून। प्रधानमंत्री ने अपने सम्बोधन में एक कविता के माध्यम से उत्तराखण्ड के लिए अपनी भावना व्यक्त की। उन्होंने कहा मैने उत्तराखंड की भावनाओं और संभावनाओं की निकट से देखा है। उन्होंने कविता- जहां अंजुली में गंगाजल हो, जहां हर एक मन बस निश्चल हो, जहां नारी में सच्चा बल हो उस देवभूमि का आशीर्वाद लिए मैं चलता जाता हूँ..है भाग्य मेरा सौभाग्य मेरा मैं तुमको शीश नवाता हूं..के माध्यम से अपनी भावनाओं को व्यक्त किया।

वेडिंग डेस्टिनेशन बनाने का आहवान

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने सम्बोधन में उत्तराखण्ड को वैडिंग डेस्टिनेशन बनाने का भी आवाहन किया। उन्होंने विदेशों में जाकर शादी करने वालों पर तंज कसते हुए कहा कि कम से कम अगर उत्तराखण्ड में निवेश नहीं कर सकें तो कम से कम आने वाले पांच साल में अपने परिवार की एक डेस्टिनेशन शादी उत्तराखण्ड में करें। अगर एक साल में पांच हजार शादियां भी यहां हुई तो उत्तराखण्ड नया वेडिंग डेस्टिनेशन बनकर उभरेगा।

सिलक्यारा के सफल ऑपरेशन को सराहा

देहरादून। उत्तराखंड के ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिलक्यारा के सफल आपरेशन को भी सराहा। मोदी ने कहा हाल ही में सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों को सफलतापूर्वक बचाया गया था। मैं राज्य सरकार और प्रशासन को उनके द्वारा किए गए कार्यों के लिए बधाई देता हूं।

सुरक्षा के रहे कड़े बंदोबस्त

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान में आयोजित निवेशक सम्मेलन के दौरान चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात रही। सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित कई गणमान्य लोग देहरादून पहुंचे हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा को लेकर जौलीग्रांट एयरपोर्ट से एफआरआइ तक पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों की तैनाती की गई है। वहीं नागरिक पुलिस के अलावा पीएसी की कई बटालियन और अन्य जिलों से भी फोर्स को यहां तैनात कियाग या है। एफआरआइ में आयोजित सम्मेलन को लेकर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किये गये। नवंबर माह में राज्य स्थापना दिवस पर जब राष्ट्रपति शहर में थीं, तब डकैती की घटना हुई थी। ऐसी घटना की पुनरावृत्ति ना हो, इसको लेकर भी पुलिस ने अतिरिक्त सतर्कता बरती है। शुक्रवार व शनिवार को दोनों दिन शहर के भीड़भाड़ वालों क्षेत्रों में पुलिस फोर्स की तैनाती की गयी है। ज्वेलर्स की दुकानों के बाहर भी नियमित गश्त की व्यवस्था की गयी है वहीं बैंकों के बाहर भी सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई है।

प्रणव अडानी ने निवेश के लिए खोला पिटारा

देहरादून। अडानी एंटरप्राइज के निदेशक प्रणव अडानी ने उत्तराखंड में निवेश के लिए अपना पिटारा खोला। उन्होंने कहा कि हम उत्तराखंड में नेचुरल गैस उपलब्ध करा रहे हैं। 200 स्टेट की बसें सीएनजी से चलाएंगे। 1700 करोड़ अम्बुजा सीमेंट के विस्तार में खर्च करेंगे।300 करोड़ रुड़की प्लांट ,ऋषिकेश देहरादून के बीच 1400 करोड़ ग्राइंडिंग यूनिट पर खर्च करेंगे

दस हजार करोड़ का निवेश करेगा पतंजलि

देहरादून। उत्तराखंड वैश्विक इन्वेस्टर्स समिट में बाबा रामदेव ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश का विकास हो रहा है। भारत जल्द आर्थिक सुपर पावर बनेगा। उन्होंने कहा कि पतंजलि राज्य में 10 हजार करोड़ का निवेश करेगा। उन्होंने औद्योगिक घरों से यहां के लिए अत्याधुनिक कालेज खोलने का आहवान भी किया। साथ ही प्रधानमंत्री से हरिद्वार में एयरपोर्ट बनाने का आहवान भी किया।

वाहन खाई में गिरने से दो लोगों की मौत

देहरादून (उद संवाददाता)। उत्तराखंड में सड़क हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा मामला चकराता- टिकरधार के पास का है जहां खाई में एक वाहन गिरने से दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई ।घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची एसडी आरएफ ने राहत और बचाव कार्य करते हुए दो शवो को निकालकर पुलिस को सौपा जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर के शव विक्षेदन गृह भेज दिया । शुक्रवार को तहसीलदार चकराता द्वारा एसडी आरएफ को सूचित किया गया कि टिकरधार के पास एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। जिसमे त्वरित रेस्क्यू हेतु टीम की आवश्यकता है।उक्त सूचना पर पोस्ट डाकपत्थर में व्यवस्थापित (शेष पृष्ठ 7 पर)

ट्रक की टक्कर से महिला की मौत, एक गंभीर

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। गत रात्रि विवाह समारोह में शामिल होने के बाद स्कूटी पर सवार होकर घर वापस आ रहे महिला व युवक को नगर निगम के पास स्थित मछली मार्केट के सामने मुख्य मार्ग पर ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में स्कूटी सवार महिला की मौत हो गई जबकि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए चिकित्सालय ले जाया गया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेजा और ट्रक व उसके चालक को अपनी हिरासत में ले लिया। घटना से मृतका के परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार पंजाब में तैनात सूबेदार मदन सिंह की पत्नी तीन पानी डाम, फुलसुंगा जनपथ रोड़ निवासी 42 वर्षीय गीता मेहर गत रात्रि काशीपुर रोड़ पर एक विवाह समारोह में शामिल होने के लिए गई थी। विवाह समारोह में शामिल होने के बाद वह अपने पड़ोसी शेखर के साथ स्कूटी संख्या यूके 01 डी 2722 पर सवार होकर वापस घर लौट रही थी। स्कूटी जब नगर निगम के पास मछली मार्केट के सामने पहुंची तो पीछे की ओर से तेज गति से आ रहे ट्रक संख्या यूपी 21 एएन 7115 के चालक ने स्कूटी को टक्कर मार दी। जिससे स्कूटी पर सवार गीता और शेखर गंभीर रूप से घायल हो गये। इस दुर्घटना में घायल गीता ने दम तोड़ दिया जबकि शेखर को उपचार के लिए चिकित्सालय ले जाया गया। घटना की जानकारी(शेष पृष्ठ सात पर)

सड़क पर मिला अज्ञात महिला का शव

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। बागवाला के पास कीरतपुर रोड पर एक महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गयी। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के मोर्चरी भेज दिया। शव की शिनाख्त नहीं हो पायी है। पुलिस शिनाख्त के प्रयास कर रही है। जानकारी के मुताबिक बीती देर शाम बागवाला के पास कीरतपुर रोड पर सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण एक महिला लहुलूहान हालत में पड़ी थी। लोगों ने इसकी सूचना 112 पर पुलिस को दी जिस पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर महिला को अस्पताल पहुंचाया जहां उसे मृत घोषित कर दिया। महिला की उम्र करीब 45 वर्ष बताई जा रही(शेष पृष्ठ सात पर)

विकास का नया अध्याय लिखने के लिए उत्तराखण्ड तैयार : धामी

दो दिवसीय निवेशक सम्मेलन में भारत और विदेश के 5000 से अधिक निवेशक और प्रतिनिधि शामिल होंगे

देहरादून। औद्योगिक निवेश जुटाने के लिए शुक्रवार से प्रदेश सरकार का दूसरा दो दिवसीय वैश्विक निवेशक सम्मेलन शुरू हो गया है। पीएम नरेंद्र मोदी सहित वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) में पांच हजार से अधिक निवेशकों और प्रतिनिधियों की मौजूदगी रहेंगी। इस दौरान वह हाउस ऑफ हिमालयाज की लॉन्चिंग करेंगे। साथ ही उत्तराखंड के स्थानीय उत्पादों पर आधारित एक प्रदर्शनी का अवलोकन भी करेंगे। उत्तराखंड में दो दिवसीय वैश्विक निवेशक सम्मेलन में देश-दुनिया के 5000 से अधिक निवेशक और प्रतिनिधि शामिल होंगे। उत्तराखंड को निवेश का नया डेस्टिनेशन बनाने के उद्देश्य से आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मुताबिक, राज्य में विभिन्न सेक्टर में निवेश के लिए अभी तक तीन लाख करोड़ रुपये समझौता ज्ञापन (एमओयू) हो चुके हैं। इनमें से 44 करोड़ रुपये का निवेश ग्राउंडिंग के लिए तैयार है। राज्य सरकार के सात कैबिनेट मंत्रियों के अलावा सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, डॉ.महेंद्र नाथ पांडेय, मनसुख एल मांडविया भी शिरकत करेंगे। स्पेन, स्लोवाकिया, नेपाल, क्यूबा, ग्रीस, ऑस्ट्रिया, जापान, सऊदी अरब समेत कई अन्य देशों के राजदूतों के भी सम्मेलन में आने की संभावना है। सम्मेलन में मुकेश अंबानी, गौतम अदाणी, सज्जन जिंदल, बाबा रामदेव सरीखे नामी उद्योगपति और औद्योगिक घरानों के एमडी और प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। प्रदेश सरकार ने निवेशक सम्मेलन की भव्य तैयारियां की हैं। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने बृहस्पतिवार को कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर तैयारियां परखीं। उत्तराखंड को समृद्ध दशक बनाने के लिए देश-दुनिया के निवेशक आज राजधानी देहरादून में जुटेंगे।

एफआरआई में बिना पास के प्रवेश नहीं प्रदेशभर से अफसरों की ड्यूटी लगाई

देहरादून। प्रदेश के मेगा इवेंट के लिए सरकार ने प्रदेशभर के आईएएस, आईपीएस, आईएफएस, पीसीएस, पीपीएस अफसरों की ड्यूटी लगाई है। सभी को अलग-अलग जिम्मेदारियां दी गई हैं। बृहस्पतिवार को कई जिलों के डीएम, एसएसपी, एसडीएम से लेकर सीओ स्तर तक के अधिकारी यहां तैनात नजर आए। देहरादून में निवेशक सम्मेलन के लिए एतिहासिक वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) परिसर में पंडाल लगाकर तैयार कर दिया है। इसे चार जोन में बांटा गया है, जिसमें हर जोन में एक ही समय पर अलग-अलग गतिविधियां चलेंगी। परिसर में बिना पास प्रवेश नहीं मिलेगा। इसके लिए एंट्री गेट पर ही व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिनभर यहां सभी गतिविधियों का निरीक्षण किया। एफआरआई परिसर की सूरत निवेशक सम्मेलन के लिए बदली हुई है। चकराता रोड के मुख्य गेट को निवेशक सम्मेलन में आने वाले अतिथियों के लिए सजाया गया है। भीतर प्रवेश करते ही सड़क के दोनों ओर निवेशक सम्मेलन से संबंधित तस्वीरें, पोस्टर व फ्लेक्स लगाए गए हैं। एफआरआई की मुख्य इमारत के ठीक सामने के मैदान को एक छोटे शहर की शक्ल दे दी गई है। चार जोन में बंटे इस शहर में अलग-अलग गतिविधियां होंगी। जोन-ए में मुख्य पंडाल बनाया गया है, जिसमें 5000 से अधिक लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। उद्योगपतियों के लिए सोफे लगाए गए हैं। उनसे करीब 50 मीटर की दूरी पर एक बड़ा स्टेज बनाया गया है, जोन-ए में एक कंट्रोल रूम भी बनाया गया है, जहां से सभी गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। जोन-बी में सबसे आगे पंजीकरण के बड़े काउंटर बनाए गए हैं। यहीं डाइनिंग हॉल बनाया गया है, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों के भोजन की व्यवस्था की गई है। जोन-सी में डायमंड लांज, मीटिंग एरिया, सीएम मीटिंग लांज, मीडिया जांच के साथ ही सत्र के संचालन के लिए हॉल बनाया गया है। जोन-सी व डी के बीच दो डाइनिंग हॉल बनाए गए हैं। जोन-डी में एग्जीबिशन एरिया, थीम पवेलियन और प्लेटिनम लांज व डाइनिंग हॉल बनाया गया है। सभी को जोन के हिसाब से ही गतिविधियों में हिस्सा लेना है।

पहाड़ी टोपी और वास्केट पहनकर पीएम मोदी ने किया आकर्षित

देहरादून (उद संवाददाता)। उत्तराखंड को समृद्ध दशक बनाने के लिए देश-दुनिया के निवेशक आज राजधानी देहरादून में जुटे हैं। औद्योगिक निवेश जुटाने के लिए आज शुक्रवार से प्रदेश सरकार का दूसरा दो दिवसीय वैश्विक निवेशक सम्मेलन शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एफआरआई पहुंच चुके हैं। इस दौरान वह पहाड़ी टोपी और वास्केट में खास अंदाज में नजर आए। उन्होंने पहले यहां रोड शो किया। परिसर में पहुंचते ही सीएम धामी ने उनका स्वागत किया। इसके बाद पीएम मोदी यहां शिखर सम्मेलन से जुड़ी प्रदर्शनी का अवलोकन करने पहुंचे हैं। उनके साथ सीएम धामी और मुख्य सचिव संधू मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत सांस्कृतिक कार्यक्रमों से हुई। सीएम धामी ने अपने संबोधन में कहा कि पीएम मोदी ने समिट में पहुंचकर इसकी शोभा बढ़ाई है। कहा कि 44 हजार करोड़ का निवेश धरातल पर उतारा गया है। लाखों रोजगार भी मिलेंगे। प्रदेश सरकार ने निवेशक सम्मेलन की भव्य तैयारियां की हैं। राज्य में विभिन्न सेक्टर में निवेश के लिए अभी तक तीन लाख करोड़ रुपये समझौता ज्ञापन (एमओयू) हो चुके हैं। इनमें से 44 करोड़ रुपये का निवेश ग्राउंडिंग के लिए तैयार है। जोन-ए में मुख्य पंडाल बनाया गया है, जिसमें 5000 से अधिक लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। उद्योगपतियों के लिए सोफे लगाए गए हैं।

परोसे जाएंगे पहाड़ी व्यंजन, छः किचन तैयार

वहीं, समिट के दौरान उद्योगपतियों को तीन श्रेणियों- प्लेटिनम, गोल्ड, डायमंड में व्यंजन परोसे जाएंगे। इन श्रेणियों के लजीज व्यंजन छह किचन में तैयार किए जाएंगे जिनमें तीन मेगा किचन भी हैं।

पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहन सिंह रावत 'गांववासी' का निधन

देहरादून। उत्तराखंड के पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहन सिंह रावत 'गांववासी' का शुक्रवार को निधन हो गया। जिसके बाद से प्रदेश में शोक की लहर दौड़ गई। सीएम धामी ने भी भाजपा नेता के निधन पर शोक जताया है। बता दें भाजपा नेता मोहन सिंह रावत ने 84 की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया। बताया जा रहा है कि वो लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। देहरादून के कैलाश अस्पताल में उनका उपचार चल रहा था। अस्पताल में ही उन्होंने अपनी आखिरी सांस ली। सीएम धामी ने भाजपा नेता के निधन पर शोक व्यक्त किया है। सीएम ने कहा ' उत्तराखंड के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता मोहन सिंह रावत 'गांववासी' के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। राज्य में संगठन की मजबूती में उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

सूदखोर मांग रहा ज्यादा रकम

चोरगलिया (उद संवाददाता)। एक सूदखोर द्वारा ब्याज की रकम देने के बाद भी छह हजार रूपए और मांगने से परेशान व्यक्ति ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। अवैध ब्याज उत्पीड़न का मामला लगातार तूल पकड़ते जा रहा है। कुछ दिनों पहले अवैध ब्याज की वसूली करने के कारण एक व्यक्ति ने उत्पीड़न के चलते आत्महत्या कर ली थी। जिसके बाद पुलिस प्रशासन ब्याज खोरों पर सख्त नजर आया। वही ऐसा एक मामला फिर सामने आया है जिसमे एक अवैध ब्याज धारक द्वारा उक्त पीड़ित व्यक्ति को जबरन 6 हजार रुपए की रकम अधिक देने को कहा गया। एक व्यक्ति द्वारा किसी की आर्थिक मदद करने को लेकर एक निजी व्यक्ति से मजबूरन ब्याज मैं पैसे लेने पड़े। जिसके बाद ली गई रकम का 5 प्रतिशत ब्याज समेत अवैध ब्याज सूदखोर को दिए गए। लेकिन उसके बाद भी उसके द्वारा 6 हजार की रकम और मांगी गई जिसको मना करने पर सूदखोर द्वारा धमकी भरे मैसेज भेजने के साथ- साथ चौक लगाने की धमकी दी गई। जिसके बाद पीड़ित द्वारा कुछ पैसे और दिए गए। बावजूद उसके 6 हजार पूरे नही देने पर फिर मैसेज के माध्यम से धमकी दी गई जिसको लेकर पीड़ित ने अवैध तरीके से ब्याज मैं पैसे देने व अधिक ब्याज लेने वाले सूदखोर के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की पुलिस से गुहार लगाई।

मोबाइल कारोबारियों से परेशान सब्जी मंडी के दुकानदार पहुंचे कोतवाली

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। बाजार पुलिस चौकी क्षेत्र सब्जी मंडी के दर्जनों दुकानदार कोतवाली पहुंचे। उन्होंने तेज आवाज में लाउडस्पीकर बजाने वाले मोबाइल के दुकानदारों पर कार्रवाई की मांग उठाई। उन्होंने दुकानदारों पर विरोध पर गाली गलौज करने का भी आरोप लगाया। शुक्रवार को सब्जी मंडी के दर्जनों दुकानदार कोतवाली पहुंचे और उन्होंने एसएसआई अर्जुन गिरी गोस्वामी से मिले। उन्होंने एसएसआई को शिकायती पत्र दिया। सब्जी मंडी के दुकानदारों ने पुलिस को बताया कि सब्जी मंडी में ही मोबाइलों की दुकानें हैं और तेज आवाज में लाउडस्पीकर बजाते हैं। जिससे परेशानी होती है। बताया कि जब आवाज कम करने को कहा तो वह लोग गाली गलौज करते हैं। पीड़ित दुकानदारों ने पुलिस से उक्त दुकानदारों से निजात दिलाने की मांग की। एसएसआई अर्जुन गिरी गोस्वामी ने पीड़ित दुकानदारों को कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने शिकायती पत्र को संबंधित चौकी प्रभारी को कार्रवाई के लिए भेज दिया। एसएसआई से मिलने वालों में सुशील मौर्य,किशन पाल, शंकर, पप्पू,करन, प्रमोद चौहान,फईम रजा,गेंदन लाल, बुद्धसेन, मुकेश, विनोद, डोरी आदि मौजूद रहे।

ट्रांजिट कैम्प में देवरानी जेठानी बच्चों व जेवर सहित लापता

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। ट्रांजिट कैम्प में संदिग्ध परिस्थितियों में देवरानी तथा जेठानी घर से लाखों रूपये कीमत के जेवर व बच्चों सहित लापता हो गईं। मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई है। जिसमें दो व्यक्तियों पर उन्हें बहला फुसला कर भगा ले जाने का संदेह व्यक्त किया गया है। कृष्णा कालोनी ट्रांजिट कैम्प निवासी रामवीर पुत्र राधेश्याम का कहना है कि वह देहरादून में काम करता है। उसकी पत्नी सीमा 10 वर्षीय पुत्र अंशपाल को तथा उसके भाई की पत्नी पूजा अपनी पुत्री शिखा को लेकर 28 नवम्बर को घर से सोने चांदी के जेवरात सहित लापता हो गई हैं। रामवीर ने संदेह व्यक्त करते हुए कहा है कि दोनों को शिवनगर निवासी व्यक्ति बहला फुसलाकर ले गये हैं।

जगदीश
कलर लैब
टंडन फोटो स्टूडियो
05944-246817

रेरा एप्रूव्ड कालोनी
30 से 60 तक चौड़ी सड़कें,
बड़े-बडे पार्क, गेट बंद कालोनी
90 प्रतिशत तक ऋण सुविधा,
सीवरेज, स्ट्रीट लाईट

डायनामिक गार्डन सिटी
तोमर कंस्ट्रक्शन
श्री राधा स्वामी सत्संग घर गेट नं. 7 के सामने किच्छा रोड, रूद्रपुर
मोबा. 9557222289,7088169159

100 से 400 गज तक के प्लाट
100,160, 200 गज विला
खरीदने व बेचने हेतु सम्पर्क करें।
100 से अधिक परिवार रह रहे हैं

पीएचडी की छात्रा से ससुरालियों ने मांगे 5 लाख व कार, केस दर्ज

रुद्रपुर। गोबिंद बल्लभ पंत कृषि विवि की पीएचडी की एक छात्रा ने अपने पति, सास, ससुर पर पांच लाख रूपये नगद व कार और दहेज की मांग कर प्रताड़ित करने और धमकाने का आरोप लगाते हुए कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज कराया है। दर्ज रपट में पीड़िता ने कहा है कि वह विवि से पीएचडी कर रही है। उसका विवाह 9 दिसंबर 2020 को अभिषेक पुत्र डा. प्रमोद कुमार निवासी फूलबाग पंतनगर और हाल निवासी सेक्टर-14 हिसार हरियाणा के साथ हुआ था। शादी के बाद से ही पति, सास रानी सिंह और ससुर डॉ. प्रमोद कुमार कम दहेज लाने को लेकर उसे प्रताड़ित करने लगे। पति अपने पिता के पंतनगर विवि में वेटरिनरी कॉलेज के एलपीटी विभाग में कार्यरत होने का रौब जताता है। उस पर मायके से कार और पांच लाख रुपये लाने का दबाव बनाया जाता है। सास ने दहेज नहीं लाने पर बेटे की दूसरी शादी करने की धमकी दी। आरोप है 15 अगस्त 2021 को पति उसे मायके छोड़ गया। 20 दिसंबर 2022 को उसने पंतनगर थाने में प्रार्थना पत्र दिया मगर सुनवाई नहीं हुई। जिसके बाद उसने भरण पोषण के साथ ही घरेलू हिंसा का केस दाखिल किया। पीड़िता का कहना है गत 11 सितंबर को वह फौजदारी वाद की सुनवाई के बाद न्यायालय से हॉस्टल लौट रही थी। पंतनगर गेट पर पति, सास और ससुर ने उसके साथ गालीगलौज कर केस वापस लेने के लिए दबाव बनाया। उसके साथ अभद्रता कर हाथापाई की कोशिश की गई। इस मामले में उसने 12 सितंबर को पंतनगर थाने में तहरीर दी थी, मगर कोई कार्रवाई नहीं की गई। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने पति अभिषेक, ससुर डॉ. प्रमोद कुमार और सास रानी सिंह के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ट्रेक्टर छीन हजारों की नगदी लूटी

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। आज प्रात: काली नगर से ट्रेक्टर लेकर आ रहे युवक को मार्ग में एक व्यक्ति ने रोककर उसका ट्रेक्टर छीन लिया और उसके पास रखा हजारों रुई लूटकर उसका फोन तोड़ दिया। मामले की जानकारी पुलिस को दे दी गई है। अजमत शाह पुत्र स्व. याद अली शाह निवासी बेरमनगर ईटंगा थाना खाजूरीया जिला रामपुर ने बताया कि उसका लडका शहादत अली कालीनगर से टैक्टर ट्राली लेकर रूद्रपुर रहा था। मार्ग में ग्राम रायपुर के सामने एक व्यक्ति ने उसके पुत्र को रोक कर गाली गलौच करते हुऐ मारपीट की एंव उसको फोन तोड़ दिया। आरोप से पुत्र की जेब मेंरखे 56 हजार रूपये जोकि जेसीबी किस्त के थे वो छीन लिऐ एंव टैक्टर ट्राली भी छीनकर खड़ी कर ली।

मोनाड स्कूल के दो बच्चों का खेल महाकुंभ के लिए चयन

गदरपुर(उद संवाददाता)। खेल महाकुंभ ब्लॉक स्तरीय वॉलीवाल प्रतियोगिता के आयोजन किड्स पैराडाइज दिनेशपुर में हुआ जिसमें मोनाड पब्लिक स्कूल की अंडर -17 टीम को सिल्वर मेडल प्राप्त हुआ,साथ ही प्रतिस्पर्धा के आधार पर दो बच्चों मनीश कोश्यारी एवं आयुष राणा का चयन अंडर-19 वॉलीवाल प्रतियोगिता में जिला स्तर के लिए हुआ है जो 10 दिसम्बर से रुद्रपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम में खेला जाएगा, बच्चों के चयन पर विद्यालय प्रबंध समिति तथा प्रधानाचार्य ने खुशी जाहिर करते उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

परिवहन मजदूर संघ ने रोडवेज की अव्यवस्थाओं पर जताया रोष

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। उत्तरांचल परिवहन मजदूर संघ कुमाऊं क्षेत्र की क्षेतीय बैठक मंडलीय अध्यक्ष उमेश चन्द्र जोशी की अध्यक्षता में बस स्टेशन में आयोजित की गयी। बैठक का संचालन करते क्षेत्रीय मंत्री रामप्रीत घ्यादव ने कहा कि क्षेत्र में निगम बसों का अभाव होने के कारण यात्रियों का दबाव बढ़ रहा है साथ ही परिवहन निगम की आय भी घट रही है। पर्वतीय शर्मा ने बताया कि आज विभाग में लगभग चार हजार पद खाली हैं। यह जानकारी स्वयं निगम प्रवन्धक द्वारा सूचना अधिकार में दी गई है। इसके पश्चात भी उत्तराखण्ड सरकार निगम में भर्ती की स्वीकृति नहीं दे रही है। संबिदा विशेष श्रेणी के चालक परिचालको एवं कार्य शाला कर्मियों को नियमित नही किया जा रहा है।प्रदेश महामंत्री बालमुकुन्द सुपाल ने बताया कि विभाग नियुक्ति करने आदि तमाम समस्याओं को लेकर प्रान्तीय प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मिलेगा। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष प्रेम दुम्का ने बताया कि कुमाऊं क्षेत्र में वर्तमान बी सी, कार्यालय सहायक, स्टोर कीपर, कैशियर, सीनियर लिपिक आदि पद खाली पड़े है। उनमें तत्काल पदोन्नतिकी जाय तथा जो कार्यालय सहायक की नियुक्ति रोकी गयी है उनको तत्काल

मार्गों पर निगम की बसे लगभग बन्द हो चुकी है। सरकार के आदेश के बाद भी निगम बसों की खरीद नहीं कर रहा है। जबकि निर्णय किया गया था कि निगम लगभग 200 बसों की खरीद तत्काल करेगा।लेकिन निगम प्रबन्धन द्वारा प्राईवेट ट्रान्सपोर्टरों को लाम पहुंचाने के उदेश्य से बसों का अनुबन्ध किया जा रहा है। प्रांतीय संगठन मंत्री बालकृष्ण के वर्षो से कार्यरत संबिदा, विशेष श्रेणी के चालक परिचालक तथा कार्यशाला कर्मियों को नियमित करने किये जाने, परिवहन निगम को पांच सौ बसों का बड़ा खरीदने, परिवहन निगम में खाली लगभग 4000 कर्मचारियो, अधिकारियो के पदो पर नियमित भर्ती किये जाने, मार्गो पर अवैध संचालन पर रोक लगाये जाने तथा विभाग में मृतक आश्रितों की नियुक्त दिये जाने की मांग मंडलीय, प्रवन्धक संचालन से की गयी। बैठक में नवनीत कपिल, महेश राणा, श्रवण कुमार, नरेन्द्र कुमार पलाड़िया, ललित पाण्डे , रूप सिंह, धर्मवीर सिंह, दिनेश जोशी, हिमांशु उपाध्याय, कौशल कुमार, हेमवती नंदन सहित रामनगर, काशीपुर, रुद्रपुर, अल्मोड़ा, रानीखेत, हल्द्वानी, काठगोदाम डिपो के कई सदस्य मौजूद थे।

हत्यारोपी को आजीवन कारावास की सजा

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। वर्ष 2020 में थाना ट्रांजिट कैंप क्षेत्र में हुए गोविंद हत्याकांड के दोषी हत्यारे को तृतीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने आजीवन कारावास और पचास हजार रुपये अर्थदंड देने की सजा सुनाई। इस दौरान एडीजीसी ने अदालत के सामने ग्यारह गवाह पेश किए। दोनों पक्षों की जिरह सुनने के बाद अदालत ने अपना निर्णय सुनाया। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी लक्ष्मी नारायण पटवा ने बताया कि पीलीकोठी चामुंडा मंदिर थाना ट्रांजिट कैंप निवासी रा केश यादव ने दस फरवरी 2020 को रिपोर्ट दर्ज करवाते हुए बताया था कि नौ फरवरी की रात को उसका भाई गोविंद यादव,जीजा जगदीश मौर्य,मां रेखा और छोटा भाई राकेश यादव बहन निशा के घर पर खाना खा रहे थे कि पडोस के रहने वाले लालमन से पैसो का लेनदे न का विवाद भी चल रहा था। आरोप था कि जैसे ही उसका भाई गोविंद खाना खाने के बाद दरवाजे पर हाथ धोने के लिए गया। वैसे ही लालमन ने गाली गलौज करते हुए चाकू से हमला कर दिया। शोर शराबा सुनकर जब बाहर आकर देखा,तो लालमन द्वारा भाई गोविंद को नीचे गिरा कर ताबड़तोड़ चाकू से प्रहार कर रहा था और मौके से फरार हो गया। घायल अवस्था में भाई को सरकारी अस्पताल ले जाया ग या। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल पर मिले चाकू को एफएसएल भेजा। तो चाकू पर लगा खून मृतक का निकला। मामले की सुनवाई तृतीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मीना देऊपा की अदालत में शुरू हुआ। जहां एडीजीसी लक्ष्मी नारायण पटवा ने अदालत के सामने ग्यारह गवाह पेश किए। दोनों पक्षों की जिरह सुनने के बाद अदालत ने हत्याकांड के दोषी लालमन को आजीवन कारावास और 50 हजार रुपये का अर्थदंड देने की सजा सुनाई।

दूसरे दिन खेले गये बॉस्केटबाल के नौ मैच

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। तीन दिवसीय अर्न्तविद्यालयी बास्केटबॉल चैम्पियनशिप के तहत दूसरे दिन नौ मैच खेले गए। बालिका वर्ग में इंस्पिरेशन पब्लिक स्कूल ने नैनी वैली स्कूल को 20-08 से, टैगोर पब्लिक स्कूल ने ऑरम दि ग्लोबल को 04-02 से, एस0के0एम0 ने सेमफोर्ड को 19-.2 से व टैगोर पब्लिक स्कूल ने गुरूकुल इंटरनेशनल को 8-6 से हराया। यूनिवर्सल कॉन्वेंट को बाय मिला। बालक वर्ग में डी0पी0एस0 ने ऑरम दि ग्लोबल को 25-07, गुरू तेग बहादुर स्कूल ने निमोनिक स्कूल को 28-15 से, सेंट थेरसा ने एस0के0एम0 को 30-21 से, गुरूकुल इंटरनेशनल ने नैनी वेली स्कूल को 16-02 से व इंस्पिरेशन पब्लिक स्कूल ने डी0पी0एस0 को 44-25 से हराया।

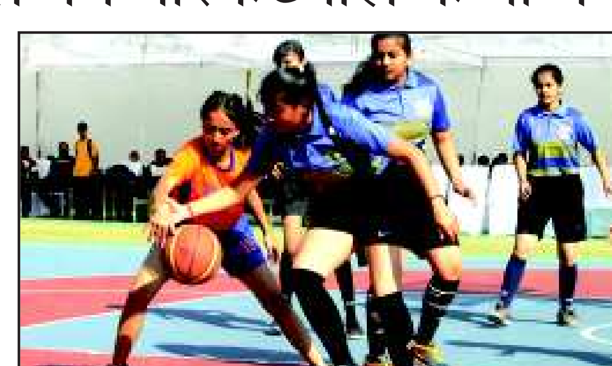

डीएवी की क्लस्टर स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। डीएवी प्रबन्धकृत समिति, नई दिल्ली के तत्वाध ान में एक दिवसीय डीएवी स्पोर्ट्स की क्लस्टर स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित की गई। इन खेलों में उत्तराखण्ड के क्लस्टर ए के डीएवी विद्यालयों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ विशिष्ट अतिथि चेतन चौहान प्रध ानाचार्य दिल्ली पब्लिक स्कूल, रूद्रपुर ने ध्वजारोहण एवं अमित जोशी प्रधानाचार्य डीएवी पब्लिक स्कूल, हल्द्वानी ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। कार्यक्रम के शुभारम्भ में विशिष्ट अतिथि श्री चौहान को खेल स्मृति चिन्ह प्रदान किया। छात्रों ने डीएवी गान की सुन्दर प्रस्तुति की। विद्यालय के कार्यवाहक प्रधानाचार्य राजीव कुमार गुप्ता ने सभी खिलाड़ियों को उत्कृष्ठ प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी तथा खेलभावना से खेलने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होने सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल का परिणाम चाहे जो भी हो उसमें प्रतिभाग महत्वपूर्ण है। उन्होंने इसे निष्ठा एवं लगन के साथ खेलने की प्रेरणा देते हुए कहा कि खेल केवल पुरस्कार, प्रमाण पत्र, मेडल जीतने के लिए नहीं होते वरन् खेल हमें जीवन में बहुत कुछ सिखाते हैं। विद्यालय के स्पोर्ट्स अध्यापक भूपेन्द्र कुमार सिंह ने सभी खिलाड़ियों को खेलभावना से खेलने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में डीएवी रूद्रपुर, डीएवी बाजपुर, डीएवी काशीपुर, और डीएवी हल्द्वानी से क्रिकेट टीम के प्रतिभागियों ने अपनी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विजयी खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपना स्थान सुनिश्चित किया।

नगर पंचायत क्षेत्र में दिखेगा बदलाव: कोहली

कालाढूंगी(उद संवाददाता)। कालाढूंगी नगर पंचायत का कार्यकाल समाप्त होने के बाद जिलाधिकारी नैनीताल वंदना सिंह द्वारा कालाढूंगी की उप जिलाधिकारी रेखा कोहली को नगर पंचायत का प्रशासक नियुक्त किया गया है। प्रशासक के रूप में एसडीएम रेखा कोहली ने कालाढूंगी नगर पंचायत के प्रशासक का कार्यभार ग्रहण करने के बाद नगर क्षेत्र की सफाई, पथ प्रकाश, निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने नगर पंचायत सभागार में नगर पंचायत के सभी निवर्तमान पदाधिकारी, पूर्व पदाधिकारियों एवं व्यापार मंडल प्रतिनिधियों, आम जनता के साथ बैठक करते हुए क्षेत्र की समस्याओं को जाना। इस दौरान अस्पताल के पास बने शौचालय को हाईटेक शौचालय बनाए जाने, तहसील के पास बने शौचालय की दशा सुधारे जाने की मांग उठी। ग्रामीण क्षेत्रों से आए कई लोगों ने दुर्घटना की आशंका जताते हुए साप्ताहिक सब्जी बाजार की दुकानों को सड़क के एक तरफ लगवाए जाने की मांग की। इसी के साथ नगर क्षेत्र में पेयजल निगम की पेयजल लाइन एवं गैस पाइप लाइन को बिछाने के बाद टूटी सड़कों को ठीक कराए जाने का मुद्दा भी उठा। बाजार में फड़ वालों द्वारा अधिक जगह घेरे जाने से हो रही परेशानी को भी व्यापारियों द्वारा उठाया गया। इस दौरान प्रशासक एसडीएम रेखा कोहली ने कहा कि प्रशासक नियुक्त होने के बाद नगर क्षेत्र में बदलाव दिखाई देगा। जिलाधिकारी वंदना के दिशा निर्देशन में कालाढूंगी नगर की बेहतर तरीके से व्यवस्था को संभाला जाएगा, वो प्रत्येक वार्ड का निरीक्षण कर स्थिति का जाएगा लेंगी। उन्होंने अधिशासी अधिकारी ईश्वर सिंह रावत को सफाई, स्ट्रीट लाइट को दुरुस्त किए जाने के निर्देश दिए। एसडीएम कोहली ने कहा नगर पंचायत के जो किरायेदार समय से किराया नहीं दे रहे हैं, उनको नोटिस जारी किए जाएंगे, उसके बाद भी वसूली नहीं हो पाती है तो उनकी आरसी काट दी जाएगी। बैठक में सफाई नायक महिपाल, कर लिपिक भुपाल बोरा, नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष दीप चंद्र सती, व्यापारी नेता पुष्कर खनायत, वकील अहमद, चंद्र शेखर कांडपाल, दीवान सिंह बिष्ट, ललित मोहन कांडपाल, निवर्तमान सभासद गोधन सैनी, हरीश मेहरा, दीनू सती, मो, दानिश, नसीम जहां, पूरन जोशी, मेहमूद हसन बंजारा, अतीक अहमद, अली हुसैन, विनोद बुधलाकोटी, बिशन बगड़वाल, कैलाश बुधलाकोटी आदि उपस्थि थे।

उत्तराखण्ड शासन
आज़ादी का अमृत महोत्सव
आगे बढ़ता उत्तराखण्ड
सुरक्षा, समृद्धि और सुअवसरों की भूमि
DESTINATION UTTARAKHAND
GLOBAL INVESTORS SUMMIT 2023
Peace To Prosperity
8th - 9th December | Dehradun
उत्तराखण्ड
ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023
का
शुभारंभ
नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
के कर-कमलों द्वारा
गरिमामयी उपस्थिति
पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड
नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

पुष्कर सिंह धामी

मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

दिनांक: 8 दिसम्बर, 2023

समय: प्रातः 9 बजे | स्थान: FRI, देहरादून

उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के अंतर्गत ₹3 लाख करोड़ से अधिक के समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित।

5,000 से अधिक व्यवसाय प्रतिनिधि एवं विभिन्न देशों के राजदूत करेंगे प्रतिभाग।

₹44,000 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह।

प्रदेश के सभी क्षेत्रों में 27 से अधिक निवेशक-अनुकूल नीतियां लागू। प्रतिस्पर्धी प्रोत्साहन, सब्सिडी और अनुकूल व्यावसायिक वातावरण के जरिए राज्य के निवेश में बढ़ावा।

पंजीकरण करने के लिए यूआरएल पर जाएं www.destinationuttarakhand.co.in/investorsummit/visitors/visitor-register

या क्यूआर कोड स्कैन करें /ukgis2023

टोल फ्री नं० 1800-309-7225

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण DD News पर देखें।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी | www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

आरक्षण और पुनर्गठन संशोधन

जम्मू-कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक को लोकसभा में मंजूरी मिल जाने के बाद उम्मीद जगी है कि जल्दी ही वहां लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाल हो सकेगी। दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभक्त कर दिए गए राज्य को फिर से पुराना ढांचा मिल सकेगा। जम्मू-कश्मीर में परिसीमन का काम लंबे समय से चल रहा था और सरकार कहती थी कि परिसीमन का काम पूरा हो जाने के बाद वहां चुनाव प्रक्रिया शुरू की जा सकेगी। अब आरक्षण और पुनर्गठन कानूनों में संशोधन के बाद वहां विधानसभा में सीटों की संख्या एक सौ सात से बढ़ कर एक सौ चौदह हो गई है। उनमें नौ सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित की गई हैं। दो सीटें घाटी से विस्थापितों के लिए और एक सीट पाक अधिकृत कश्मीर से विस्थापितों के लिए आरक्षित की गई है। लोकसभा में इन विधेयकों पर चर्चा के वक्त गृहमंत्री ने कहा कि इससे विस्थापितों को अपने हक की आवाज बुलंद करने में मदद मिलेगी। हालांकि परिसीमन को लेकर जम्मू-कश्मीर की राजनीति में सक्रिय दलों ने कई तरह की आपत्ति दर्ज कराई थी और परिसीमन दल के साथ सहयोग न करने का फैसला किया था, मगर स्थानीय लोगों की मांगों और उनकी इच्छाओं के अनुरूप पुनर्गठन अधिनियम को अंतिम रूप दिया गया। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में विस्थापितों के लिए सीटें आरक्षित करने का श्रेय सरकार बढ़-चढ़ कर ले रही है। निश्चित रूप से इसे बड़ा फैसला कहा जा सकता है, क्योंकि किसी भी वर्ग को जब राजनीतिक मंच और कानून बनाने का अधिकार मिलता है, तो उसे अपने हक में फैसले कराने में आसानी हो जाती है। अभी तक कश्मीर से पलायन कर दूसरे इलाकों में बसे लोगों की शिकायत थी कि उन्हें व्यवस्था की मुख्यधारा से अलग-थलग छोड़ दिया गया है। अब निश्चय ही उन्हें इस आरक्षण से सत्ता में पहुंचने का अवसर मिलेगा। विस्थापित कश्मीरी पंडितों का पुनर्वास केंद्र सरकार की महत्त्वाकांक्षी योजना है। इसके लिए पहले ही वह उन्हें नौकरियों में जगह देने का प्रावधान कर चुकी है। इसके तहत अनेक विस्थापित कश्मीरी पंडित राज्य सरकार की नौकरियों में गए और फिर अपने घरों में बसे। हालांकि सरकार का इरादा है कि सभी विस्थापितों को घाटी में फिर से बसाया और उनकी कब्जा कर ली गई जमीन-जायदाद को वापस दिलाया जाए। मगर इस दिशा में अपेक्षित कामयाबी नहीं मिल पाई है। अब भी विस्थापित कश्मीरी पंडित घाटी में खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करते। विधानसभा में सीटों का आरक्षण होने के बाद भी यह चुनौती रहेगी कि किस तरह विस्थापितों को सुरक्षा प्रदान की जाए। जो लोग लौट कर घाटी में बसे हैं, उन्हें आतंकी हमलों का भय सताता रहता है। पिछले कुछ सालों में कई कश्मीरी पंडित लक्षित हमलों का शिकार भी हुए हैं। पिछले वर्ष इसे लेकर कश्मीरी पंडितों ने फिर से घाटी से पलायन का इरादा जताया था। हालांकि सरकार उन्हें सुरक्षा प्रदान करने और आतंकवादी गतिविधियों को पूरी तरह समाप्त करने के अपने संकल्प पर दृढ़ है। देखना है, इसमें उसे कितनी कामयाबी मिल पाती है। फिलहाल सबकी नजर इस बात पर है कि वहां कब चुनाव कराए जाएंगे। इसे लेकर सर्वोच्च न्यायालय भी पूछ चुका है। इसी तरह वह केंद्रशासित राज्यों को जोड़ कर फिर से राज्य का दर्जा प्रदान करने को लेकर सवाल कर चुका है। हालांकि सरकार ने इस बारे में अभी तक कोई संकेत नहीं दिया है।

ड्रोन तकनीक का प्रयोग कृषि क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सिद्ध होगा: राज्यपाल

राज्यपाल ने 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' कार्यक्रम में प्रदर्शनी का अवलोकन किया

देहरादून(उद संवाददाता)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने गुरुवार को जनपद देहरादून के विकासखण्ड सहसपुर के ग्राम गजियावाला में ''विकसित भारत संकल्प यात्रा'' के कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया एवं ग्राम्य विकास विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी केंद्रित है। राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने जनजातीय गौरव दिवस के दिन इस आईसी वैन को देहरादून जनपद हेतु रवाना किया था और आज जमीन पर इस यात्रा की प्रगति की जानकारी प्राप्त कर उन्हें सुखद अनुभूति हो रही है। राज्यपाल ने कहा कि विकास की दृष्टि से वर्तमान परिदृश्य बदल चुका है, आज के समय में योजनाओं का निर्माण एवं क्रियान्वयन अंत्योदय के सिद्धांत को दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि मैंने स्वयं उत्तराखण्ड की मातृशक्ति की जिजीविषा को अनुभव किया है। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह के माध्यम से महिलाएं अपना और अपने परिवार के साथ-साथ प्रदेश का भी भला कर रही है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति होने के नाते जब वे दीक्षांत समारोह में प्रतिभाग करते हैं तो गोल्ड मेडल प्राप्त कि वर्तमान सदी तकनीक की सदी है और भारत ने इस सदी में वैश्विक स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज की है। उन्होंने कहा कि आज भारत में डिजिटल माध्यम से विश्व का सर्वाधिक वित्तीय लेनदेन होता है। आज विभिन्न योजनाओं का वित्तीय लाभ लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधा भेजा जाता है। जिससे बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार पर भी लगाम लगी है। उन्होंने कहा कि हम को मिलकर इस

प्रतिभागियों को 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की शपथ दिलाई। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य केंद्र व राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने और उन्हें जागरूक करने के साथ-साथ अधिक से अधिक व्यक्तियों को लाभांवित करना है। यह यात्रा लोगों के पास जाने, जागरूकता पैदा करने और स्वच्छता सुविधाओं, आवश्यक वित्तीय सेवाओं, बिजली कनेक्शन, एलपीजी सिलेंडर तक पहुँच, गरीबों के लिए आवास, खाद्य सुरक्षा, उचित पोषण, विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवा,स्वच्छ पेयजल जैसी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करने पर ध्यान में रखकर किया जाता है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा समस्त देश में अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ और उन्हें योजनाओं के संबंध में जागरूक कर रही है। उन्होंने कहा कि हम सभी का कर्तव्य है कि सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाएं पात्र व्यक्ति तक अवश्य पहुंचे और वे लाभान्वित हों। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अमृत काल में जिन चार स्तंभों-नारी शक्ति, युवा शक्ति, किसान और मध्यम वर्ग का जिक्र किया गया वह विकसित भारत, विश्व गुरु भारत और आत्मनिर्भर भारत बनने की करने, पीएचडी और अन्य उपाधियों को प्राप्त करने वालों में सबसे अधिक सफल हमारी बेटियां ही है। राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने सभी स्टॉलों का निरीक्षण किया और सभी प्रदर्शनियां प्रशंसनीय थीं और उन्हें इस प्रदर्शनियों का मुख्य आकर्षण 'किसान ड्रोन' लगा। उन्होंने कहा कि यह ड्रोन तकनीकी क्रांति का परिणाम है, इस ड्रोन का उपयोग कीटनाशक दवाएं और उर्वरकों के छिड़काव करने के साथ-साथ बीज बोने और फसल की निगरानी करने में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह प्रयोग कृषि क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण अनुसंधान सिद्ध होगा। राज्यपाल ने कहा यात्रा की सफलता के लिए कार्य करना है। इस अवसर पर ''मेरी कहानी, मेरी जुबानी'' कार्यक्रम के अंतर्गत 5 लाभार्थियों ने अपनी सफलता की कहानी सभी के साथ साझा की एवं ''धरती कहे पुकार के'' नामक नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्रयास जागरूकता संस्था द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री गणेश जोशी, आयुक्त कृषि श्री आनंद स्वरूप, महानिदेशक कृषि श्री रणवीर सिंह चौहान, देहरादून की मुख्य विकास अधिकारी झरना कमठान एवं स्थानीय ग्राम प्रधान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

गरीब व विस्थापित परिवारों को बांटे कंबल: डीएम

पिथौरागढ़ (उद संवाददाता)। जनपद में शीत लहरी से निपटने को लेकर जिलाधिकारी रीना जोशी ने कलेक्ट्रेट सभागार में सभी संबंधित अधिकारियों के साथ एक आवश्यक बैठक ली तथा उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में डीएम ने उप जिलाधिकारियों से क्षेत्र में कंबल वितरण कार्यों की जानकारी ली तथा निर्देश दिए कि प्रत्येक गरीब व्यक्ति को कंबल वितरण किया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि धारचूला के विस्थापित परिवारों को भी कंबल वितरित करें। उन्होंने उप जिलाधिकारियों एवं नगर निकायों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि क्षेत्र में सार्वजनिक स्थलों पर अलाव जलाना सुनिश्चित किया जाए ताकि राहगीरों को ठंड से राहत मिल सके। साथ ही उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद के सभी लकड़ी टालों पर सूखी लकड़ी का पर्याप्त स्टॉक रखा

जाए। उन्होंने उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र अंतर्गत स्थापित रेन बसेरों का स्थलीय निरीक्षण कर उनमें स्थापित पेयजल, विद्युत, बिस्तर, शौचालय आदि व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर लिया जाए। ताकि राहगीरों को किसी प्रकार की दिक्कतों का सामना न करना पड़े। डीएम ने सड़क निर्माण से जुड़े लोनिवि, पीएमजीएसवाई, बीआरओ,एनच आदि विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क मार्गों पर पाला प्रभावित स्थलों पर एक सप्ताह के भीतर चेतावनी बोर्ड चस्पा कर दिये जायें ताकि सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि मार्गो पर पाला प्रभावित स्थानों पर नियमित रूप से चूने एवं नमक का छिड़काव किया जाए। जनपद के ऐसे स्थानों पर जहां बर्फ पड़ती है वहां सड़क मार्गों को खोलने के लिए जेसीबी आदि मशीनें तैनात रखी जाए। जिलाधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिए कि जनपद के सभी क्षेत्रों में पेट्रोल एवं डीजल का पर्याप्त स्टॉक रखा जाए। उन्होंने कहा कि मुनस्यारी क्षेत्र से डीजल और पेट्रोल का स्टॉक खत्म होने की अधिक शिकायतें प्राप्त होती है। लिहाजा इस बार कोई शिकायत सुनने को न मिले। उन्होंने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिये कि जनपद के बर्फबारी वाले क्षेत्रों तथा अन्य दूरस्थ क्षेत्रों में माह मार्च तक का राशन सस्ता गल्ला विक्रेताओं को उपलब्ध करा दिया जाए ताकि संबंधित क्षेत्र के लोगों को शीतकाल में राशन न मिलने संबंधी दिक्कतों का सामना न करना पड़े।जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को जिला चिकित्सालय सहित सभी सीएचसी व पीएचसी में सभी आवश्यक दवाइयों का पर्याप्त स्टॉक रखने के साथ ही अन्य स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखे जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि उप जिलाधिकारियों,तहसीलदारों ग्राम प्रधानों,पटवारियों आदि को आवंटित सेटेलाइट फोन चेक कर लिया जाए ताकि वह चालू स्थिति में रहे। जिलाधिकारी ने पेयजल निगम को निर्देश दिए कि पेयजल की समस्या हेतु जिन स्थानों पर भारी बर्फबारी के दौरान पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो जाती है उन्हें पूर्व में ही चेक करके ठीक किया जाय। जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि बर्फबारी के दौरान जिले में विद्युत व्यवस्था तुरंत सुचारू की जा सके, इस हेतु सभी आवश्यक तैयारियां रखी जाए। बैठक में मुख्य शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार जुकरिया, एसडीएम अनिल कुमार शुक्ला जल निगम, यूपीसीएल, बीआरओ, वन निगम,बीएसएनएल सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

टीएमयू के वीसी प्रो.रघुवीर सिंह को हायर एजुकेशन लीडर अवार्ड

मुरादाबाद (उद ब्यूरो)।तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के वीसी प्रो. रघुवीर सिंह हायर एजुकेशन लीडर ऑफ द ईयर-2023 के अवार्ड से नवाजे गए हैं। प्रो. सिंह को यह अवार्ड एजुकेशन सेक्टर में उनके एक्सट्राओरडिनरी कंट्रीब्यूशन-विशेष योगदान के लिए मिला है। ब्रेनवंडर्स की ओर से जयपुर के होटल क्लार्क्स में आयोजित 9वीं एडुलीडर्स समिट में यह अवार्ड ब्रेनवंडर्स के फाउंडर एवम् सीईओ मनीष नायडू और माइंड सेज इंटरनेशनल की फाउंडर एलिजाबेथ टेलर ने संयुक्त रूप से प्रो. सिंह को ट्राफी और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। समिट में देश की 100 से अधिक यूनिवर्सिटीज के नामचीन शिक्षाविदों ने शिरकत की। उल्लेखनीय है, ओबीई के एक्सपर्ट प्रो. सिंह अपनी अब तक की शैक्षणिक विकास यात्रा में 50 से अधिक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित हो चुके हैं। कुलाधिपति श्री सुरेश जैन, जीवीसी श्री मनीष जैन और एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर श्री अक्षत जैन ने वीसी प्रो. रघुवीर सिंह को हायर एजुकेशन सेक्टर का ऊर्जावान व्यक्तित्व का धनी बताते हुए कहा, प्रो. सिंह की लीडरशिप में तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी नित नई बुलंदियों को छुएगी। समिट में वीसी प्रो. सिंह रोल ऑफ एआई इन हायर एजुकेशन पर व्याख्यान देते हुए बोले, एआई टेक्नोलॉजी का चमत्कार है, लेकिन यह एक दोधारी तलवार की मानिंद है।

टेक्नोलॉजी ने हमारी लिविंग, वर्किंग, एजुकेशन, इंफॉर्मेशन सरीखी रिसीविंग और लर्निंग के तौर-तरीकों को बदल दिया है। इसीलिए एआई का प्रयोग करते समय सावधानी बरतने की दरकार है। प्रश्न यह है, आप इसे प्रयोग क्यों करना चाहते हैं? यदि हम इसके गुलाम हो गए तो शिक्षा के क्षेत्र में इसका परिणाम विनाशकारी हो सकता है। आपको इसे बचाना होगा। हम एआई और चौट जीपीटी जैसी तकनीक की वजह से परिवर्तन के दौर में हैं। यदि इस पर अति निर्भर होते हैं तो एआई वास्तव में खतरा है। इस कटु सच्चाई को भी नहीं नकारा जा सकता यदि आप एआई पर मुकम्मल तौर पर फोकस कर लेते हो तो आप एजुकेशन को मिस कर देते हो, लेकिन सामान्य और बार-बार होने वाले मेमोरी बेस्ड टास्क और एक्टीविटीज के लिए एआई उचित विकल्प हो सकती है। एआई एंड चौट जीपीटीज मानव को ट्रिक कर सकती हैं। एआई की मिस इंफॉर्मेशन से प्रोफेशनल एडिटर्स शॉक्ड हैं। पर्सनलाइज, कस्टमाइज एंड क्यूरेडिट ही लर्निंग है, क्योंकि युवा क्या सीखना चाहते हैं और क्या रेलेवेंट है, यही एडल्ट लर्निंग है। फॉर्मल एजुकेशन का लिमिटिड यूज नहीं है। एआई एक कुंजी की तरह है। यह सब पब्लिक डोमेन में है। एआई एजुकेशन के लिए सपोर्टिड होनी चाहिए। प्रो. सिंह ने बताया, स्टुडेंट्स दो तरह से सीखते हैं। इसके लिए थिंकिंग, प्रॉब्लम सोलविंग, हयूमन रिलेशंस, माइंड सेट, सेंसिटिविटी की दरकार है। टीचर्स में एआई से रिप्लेसिंग का डर बना है। यदि टीचर्स खुद को चेंज या अपडेट नहीं करेगा तो वह स्वत: ही रिप्लेस हो जाएगा। टेक्नोलॉजी से अपनी तुलना मत करो, बल्कि अपने रिच एरिया जैसे- हॉटर्स, ड्राइव और शॉफ्ट स्किल्स को पहचानो और उसमें बेस्ट बनो।

मिचौंग चक्रवात का तांडव

मिचौंग चक्रवात आंध्रप्रदेश बापटला जिले और तमिलनाडु के समुद्री तट से 90 से 110 किलोमीटर की हवाओं से टकराया और आगे बढ़ गया। मौसम विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 'लैंडफाल' अर्थात तट से टकराने की प्राकृतिक प्रक्रिया के बाद यह कमजोर जरूर पड़ गया, लेकिन एक दर्जन से ज्यादा मौतों और करोड़ों की संपत्ति के विनाश का कारण बन आगे बढ़ गया। आगे बढ़कर यह ओडिशा और पूर्वी तेलंगाना के दक्षिणी जिले में तेज हवाओं, आंधी और भीषण बारिश का पर्याय बन गया। इसकी तीव्रता के चलते करीब दस हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना पड़ा। नतीजतन आंध्रप्रदेश और तमिलनाडु के कई जिलों में इस तूफान ने भारी तबाही मचाई है। हजारों पेड़ और बिजली के खंबे धराशायी हो गए। भारी बारिश के चलते नदियों, नहरों और तालाबों ने बाढ़ का रूप ले लिया, जिससे हजारों किमी सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई और हजारों एकड़ खेतों में खड़ी फसलें बर्बाद हो गई। चेन्नई और आसपास के क्षेत्रों में हजारों घरों में पानी भर जाने से लोग फंस गए जिन्हें बचाने के लिए नौकाओं और टेक्टर का इस्तेमाल किया गया। इन राज्यों के स्थानीय प्रशासन ने मौसम विभाग की चेतावनी के चलते तत्काल सैकड़ों पुनर्वास केंद्र स्थापित करके 60,000 से ज्यादा लोगों के ठहरने का प्रबंध किया। 140 रेलें और 40 हवाई उड़ाने तत्काल रद्द कर दी गई। चौन्नई सहित 9 जिलों में 61,666 राहत शिविर बनाए गए है। जिनमें भोजन, दूध और पानी अश्रितों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मौसम विभाग की सटीक भविष्यवाणी और आपदा प्रबंधन के समन्वित प्रयासों के चलते मिचौंग चक्रवात ने बड़े क्षेत्र और बड़ी मात्रा में संपत्ति का तो विनाश किया, लेकिन ज्यादा जनहानि का कारण नहीं बन पाया। पशुओं की भी बहुत कम मौतें हुई। इस परिप्रेक्ष्य में हमारी तमाम एजेंसियों ने आपदा से कुशलतापूर्वक सामना करके एक भरोसेमंद मिसाल पेश की है, जो सराहनीय व अनुकरणीय है। ताकतवर तूफान से बचने के लिए आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, ओडीशा और तेलंगाना को चार दिन पहले से ही सतर्क किया जा रहा था। समाचार पत्रों से लेकर टीवी और सोशल मीडिया इसकी भयावयता लगातार जताते रहे। इस कारण राज्य और केंद्र सरकारों को समन्वय बनाए रखने और राहत दल संभावित संकटग्रस्त इलाकों में पहुंचाने में सुविधा रही। बड़ी संख्या में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर चक्रवात आने से पहले ही पहुंचा दिया था। एनडीआरएफ ने राज्य सरकारों से विचार-विमर्श करके अपने बचाव दल सही समय पर तैनात कर दिए थे। कुदरत के इस कोप से मुकाबला करने की जो तैयारी व जीवटता इस बार देखी गई, इससे पहले बिपरजॉय तूफान के समय भी देखने में आई थी। भारतीय मौसम विभाग के अनुमान अकसर सही साबित नहीं होते, लेकिन कुछ समय से चक्रवाती तूफानों के सिलसिले में की गई भविष्यवाणीयां सटीक बैठ रही हैं। जबकि मानसून को लेकर उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठते रहते हैं।

इस बार हमारे मौसम विज्ञानी सुपर कंप्युटर और डापलर रडार जैसी श्रेष्ठ तकनीक के माध्यमों से चक्रवात के अनुमानित और वास्तविक रास्ते का मानचित्र एवं उसके भिन्न क्षेत्रों में प्रभाव के चित्र बनाने में भी सफल रहे। तूफान की तीव्रता, तेज हवाओं एवं आंधी की गति और बारिश के अनुमान भी कमोबेश सही साबित हुए। इन अनुमानों को और कारगर बनाने की जरुरत है, जिससे बाढ़, सूखे, भूकंप और बवंडरों की पूर्व सूचनाएं मिल सकें और उनसे सामना किया जा सके। साथ ही मौसम विभाग को ऐसी निगरानी प्रणालियां भी विकसित करने की जरुरत है, जिनके मार्फत हर माह और हफ्ते में बरसात होने की राज्य व जिलेबार भविष्यवाणियां की जा सकें। यदि ऐसा मुमकिन हो पाता है तो कृषि का बेहतर नियोजन संभव हो सकेगा ? साथ ही अतिवृष्टि या अनावृष्टि के संभावित परिणामों से कारगर ढंग से निपटा जा सकेगा ? किसान भी बारिश के अनुपात में फसलें बोने लग जाएंगे। लिहाजा कम या ज्यादा बारिश का नुकसान उठाने से किसान मुक्त हो जाएंगे। मौसम संबंधी उपकरणों के गुणवत्ता व दूरंदेशी होने की इसलिए भी जरूरत है, क्योंकि जनसंख्या घनत्व की दृष्टि से समुद्र तटीय इलाकों में आबादी भी ज्यादा है और वे आजीविका के लिए समुद्र पर निर्भर भी हैं। लिहाजा समुद्री तूफानों का सबसे ज्यादा संकट इसी आबादी को झेलना होता है। कुदरत के रहस्यों की ज्यादातर जानकारी अभी अधूरी है।

जाहिर है, चक्रवात जैसी आपदाओं को हम रोक नहीं सकते, लेकिन उनका सामना या उनके असर कम करने की दिशा में बहुत कुछ कर सकते हैं। भारत के तो तमाम इलाके वैसे भी बाढ़, सूखा, भूकंप और तूफानों के लिहाज से बेहद संवेदनशील हैं। जलवायु परिवर्तन और प्रदूषित होते जा रहे पर्यावरण के कारण ये खतरे और इनकी आवृत्ति और बढ़ गई है। कहा भी जा रहा है कि बिपरजॉय, क्यार, निसर्ग, तौकते, सुनामी, फेलिन, ठाणे, आइला, आईरिन, नीलम और सैंडी जैसी आपदाएं प्रकृति की बजाय आधनिक मनुष्य और उसकी प्रकृति विरोधी विकास नीति का पर्याय हैं। इस बाबत गौरतलब है कि 2005 में कैटरीना तूफान के समय अमेरिकी मौसम विभाग ने इस प्रकार के प्रलयंकारी समुद्री तूफान 2080 तक आने की आशंका जताई थी, लेकिन वह सैंडी और नीलम तूफानों के रुप में 2012 में ही आ धमके। इयके 10 साल पहले आए सुनामी ने ओडिशा के तटवर्ती इलाकों में जो कहर बरपा था, उसके विनाश के चिन्ह अभी भी दिखाई दे जाते हैं। इसकी चपेट में आकर करीब 10 हजार लोग मारे गए थे। सुनामी से फूटी तबाही के बाद पर्यावरणविदों ने यह तथ्य रेखांकित किया था कि अगर मैंग्रोव वन बचे रहते तो तबाही कम होती। ओडिशा के तटवर्ती शहर जगतसिंहपुर में एक औद्योगिक परियोजना खड़ी करने के लिए एक लाख 70 हजार से भी ज्यादा मैंग्रोव वृक्ष काट डाले गए थे। उत्तराखंड में भी पर्यटन विकास के लिए लाखों पेड़ काट दिए और पहाड़ियों की छाती छलनी कर दी गई, जिसके दुष्परिणाम हम उत्तराखंड में निरंतर आ रहीं त्रासदियों में देख रहे हैं। दरअसल जंगल प्राणी जगत के लिए सुरक्षा कवच हैं, इनके विनाश को यदि नीतियों में बदलाव लाकर नहीं रोका गया तो तय है कि आपदाओं के सिलसिलों को भी रोक पाना मुश्किल होगा ? दरअसल कार्बन फैलाने वाली विकास नीतियों को बढ़ावा देने के कारण धरती के तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। यही कारण है कि बीते 133 सालों में रिकार्ड किए गए तापमान के जो 13 सबसे गर्म वर्ष रहे हैं, वे 2000 के बाद के ही हैं और आपदाओं की आवृत्ति भी इसी कालखण्ड में सबसे ज्यादा बढ़ी हैं। पिछले तीन दशकों में गर्म हवाओं का मिजाज तेजस्वी लपटों में बदला है। इसने धरती के 10 फीसदी हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया है। यही वजह है कि अमेरिका में जहां कैटरिना, आइरिन और सैंडी तूफानों ने तबाही मचाई वहीं नीलम, आइला, सुनामी और फेलिन ने भारत व श्रीलंका में हालात बदतर किए। बताया जा रहा है कि वैश्विक तापवृद्धि के चलते समुद्री तल खौल रहा है। फ्लोरिडा से कनाडा तक फैली अटलांटिक की 800 किमी चौड़ी पट्टी में समुद्री तल का तापमान औसत से तीन डिग्री सेल्सियस अर्थात् 5.4 फॉरेनहाइट ज्यादा है। यही उर्जा जब सतह से उठ रही भाप के साथ मिलती है तो समुद्री तल में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव शुरु हो जाता है, जो चक्रवाती बवंडर को विकसित करता है। इस बवंडर के वायुमंडल में विलय होने के साथ ही, वायुमंडल की नमी 7 फीसदी बढ़ जाती है, जो तूफानी हवाओं को जन्म देती है। प्राकृतिक तत्वों की यही बेमेल रासायनिक क्रिया भारी बारिश का आधार बनती है, जो आंधी का रूप ले लेती है। नतीजतन तबाही के परचम से धरती कांप उठती है और बस्तियां जलमग्न हो जाती हैं। तापमान की इसी वृद्धि का अनुमान लगा लिए जाने के आधार पर अंतर सरकारी पेनल ने भी भारतीय समुद्री इलाकों में चक्रवाती तूफानों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई है। इस लिहाज से हमारी संस्थाओं की जो समवेत जवाबदेही, इस चक्रवात से सामना करने में दिखाई दी है, उसकी निरंतरता बनी रहनी चाहिए। मौसम विभाग की भविष्यवाणी के बाद बचाव और राहत की तैयारी के लिए महज चार दिन मिले थे। इन्हीं चार दिनों में केंद्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सक्रिय हो गया। इसकी हिदायतों के मुताबिक थल, जल और वायु सेनाएं जरुरी संसाधनों के साथ प्रभावित क्षेत्रों में तैनात हो गईं। नतीजतन चक्रवात के प्रभाव में आए राज्यों की सरकारों ने वक्त के तकाजे के हिसाब से बचाव के सभी संसाधन तटवर्ती क्षेत्र में झोंक दिए। मीडिया भी मैदान में तैनात होकर आगे बढ़ते तूफान की सूचनाएं देकर जनता को सुरक्षित स्थलों पर पहुंचने की मुनादी पीटता रहा। इस संकट की घड़ी में जो साझा दायित्व बोध देखने में आया, वह यदि भविष्य में भी बना रहता है तो भारत ऐसी अचानक आने वाली आपदाओं से मानव आबादी को सुरक्षित बनाए रखने में सफल बना रहेगा।

-प्रमोद भार्गव,लेखक,पत्रकार

कृषक देवेन्द्र विर्क को मिलेनियम फार्मर ऑफ इंडिया अवार्ड

किच्छा(उद संवाददाता)। क्षेत्र के जाने माने कृषक देवेंद्र सिंह विर्क को कृषि जागरण ग्रुप फार्मर ने मिलेनियम फार्मर ऑफ इंडिया अवार्ड 2023 से सम्मानित किया है। ग्रुप की तरफ से पुरस्कार से सम्मानित करते हुए शुभकामनाएं दी हैं। इस परिपेक्ष में क्षेत्र के किसानों ने किसान देवेंद्र सिंह विर्क को मिलेनियम अवार्ड से सम्मानित करते हुए इस व्यक्त की है तथा उनको स्मृति चिन्ह और साल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष के नेतृत्व में क्षेत्र के तमाम कृषक उनके घर पहुंचे और उनको सम्मानित किया। इस सम्मान समारोह के अवसर पर देवेंद्र विर्क ने कहा कि तराई में किसानों की विकास की गति एवं अन्य उत्पादन में विशेष सहयोग के चलते उनका चयन मिलेनियम अवार्ड के लिए किया गया जिसका कि वह फार्मर ग्रुप के आभारी हैं उन्होंने कहा कि अभिक्षेत्र के किसानों को और अधिक उन्नत खेती करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए ताकि भारत सरकार का ध्यान हमारे तराई के किसानों पर केंद्रित हो सके और यहां के किसानों की मूलभूत समस्याओं का समाधान निकाला जा सके। कांग्रेस किसान मोर्चा की उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह संधू ने कहा कि देवेंद्र सिंह विर्क को मिलेनियम फार्मर ऑफ इंडिया अवार्ड से सम्मानित फार्मर ग्रुप ने किसानों का सम्मान किया है इस अवसर पर मुख्य रूप सेजितेंद्र सिंह संधू संतोष सिंह रंधावा सुखविंदर सिंह विर्क बलबीर सिंह विर्क लखविंदर सिंह विर्क बंटी पापनेजा गुरदेव सिंह विर्क कुलदीप सिंह की इंद्रजीत सिंह भूपेंद्र सिंह सुरजीत सिंह जी आदि मौजूद रहे।

घास लेने गई महिला को गुलदार ने बनाया शिकार

भीमताल(उद संवाददाता)। उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में जंगली जानवरों के हमले में लोगों की मौत का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है और विभागीय अधिकारी कुम्भकरणी नींद सोये हुए हैं। एक दिन पहले ही रामनगर में जंगल में घास लेने गई महिला को बाघ ने अपना निवाला बनाया तो अब ताजा मामला भीमताल क्षेत्र के मालवाताल तोक का है यहां कसायल में घास लेने गई एक महिला को गुलदार ने मार डाला। महिला के साथ गई अन्य महिलाओं ने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई हमले की सूचना के बाद महिला की तलाश में निकले 4 लोग जंगल में फंस गए ग्रामीणों ने किसी तरह देर रात उन लोगों को तलाशा साथ ही महिला का शत विक्षत शव भी बरामद किया। स्थानी लोगों के अनुसार दोपहर में महिलाए जंगल में घास लेने गई हुई थी इसी बीच गुलदार ने एक महिला पर हमला कर दिया गुलदार महिला को घने जंगल में खींचता हुआ ले गया महिला की तलाश में गांव के कुछ युवक निकल पड़े परन्तु अंधेरा होने के कारण और मोबाइल में सिग्नल न होने के कारण वे भी जंगल में ही फंस गए देर रात ग्रामीणों ने सभी युवकों को ढूंढ निकाला। स्थानीय लोगों के अनुसार गुलदार लगातार गांव के आवादी क्षेत्र में घूम रहा है वन विभाग के अधिकारियों से लगातार पिंजरा लगाने की मांग की गई है वन विभाग के अधिकारियों की अनदेखी के चलते आज महिला की मौत हुई है इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र के लोगों में वन विभाग के प्रति काफी गुस्सा है।

रुपए देने का झांसा देकर छीन ली बाईक

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। गाड़ी गिरवी में रखकर रुपए देने का झांसा देकर कुछ लोगों ने एक युवक की बाईक छीन ली। मामले की सूचना पुलिस को दी गई है। प्रदीप यादव पुत्र जगपाल सिंह निवासी अरविन्द नगर वार्ड 3 ने पुलिस को बताया कि उसके पास एक बाईक संख्या यूके 06 बीएफ 4014 जो छोटे भाई अर्जुन यादव के नाम से है। उसे कुछ पैसे की जरूरत पड़ी तो उसने गाड़ी गिरवी रखने के लिए गोटीया निवासी व्यक्ति से बात की। जिसने बताया अपने मित्र के पास गाड़ी गिरवी रख कर 40 हजार रुपए दिलवा दूंगा। परन्तु गाड़ी छोटे भाई के नाम से है इसलिए एक विडियो गाड़ी पर बैठ कर 40 हजार रुपए लेने की बनवा देना। प्रदीप ने बताया 5 दिसंबर को गाड़ी पर बेठ कर 40 हजार रुपए की विडियो बनवाईअगले दिन अपने छोटे भाई अर्जुन यादव को रात्रि 9 बजे बाईक लेकर उस व्यक्ति के पास एक होटल पर भेजा जहां मौजूद लोगों ने उससे जबरन गाड़ी छीन और रुपए भी नहीं दिए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पेज एक का शेष...

सामर्थ्य से भरी है...लौटाने का अवसर मिलता है तो उसका आनंद भी कुछ और होता है। आइये इस पवित्र धरती में चल पड़िए। आपके काम में कभी कोई बाधा नहीं आएगी। हमारा देश नई ऊर्जा के साथ खड़ा हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा निवेशक सम्मेलन में पहुंचे उद्योगपतियों ने कहा कि आप सभी बिजनेस की दुनिया के दिग्गज हैं। आप अपने काम का विश्लेषण करते हैं। आप सभी चुनौती का आकलन करके रणनीति बनाते हैं। हमें चारों तरफ आकांक्षा, आशा, आत्मविश्वास दिखेगा। कहा कि हाल के विधानसभा चुनाव में हमने देखा है। उत्तराखंड के लोगों ने पहले ही स्थिर और मजबूत सरकार बनाके दिखाई है। जनता ने सरकार के ट्रैक रिकॉर्ड के आधार पर वोट दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि विकसित भारत का निर्माण हर देशवासी की जिम्मेदारी है। कोरोना महासंकट के बावजूद हम तेजी से आगे बढ़े हैं। हमने अपनी नीतियों और सामर्थ्य पर भरोसा किया। भारत की मजबूती का फायदा उत्तराखंड समेत देश के हर राज्य को हो रहा है। कहा कि उत्तराखंड इसलिए भी विशेष है क्योंकि यहां डबल इंजन सरकार है। डबल प्रयास चारों तरफ दिख रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आप सभी को भी उत्तराखंड की विकास यात्रा से जुड़ने का बड़ा अवसर मिल रहा है। बीते दिनों टनल से सुरक्षित निकालने के सफल अभियान पर आप सभी का अभिनंदन करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड सामर्थ्य से भरी है देवभूमि है। निवेशकों के लिए बहुत सारे द्वार खोलने जा रही है। आज भारत विकास भी और विरासत भी के जिस मंत्र के साथ आगे बढ़ रहा है। उत्तराखण्ड उसका प्रखर उदाहरण है। उत्तराखण्ड इसलिए भी विशेष है क्योंकि यहां डबल इंजन की सरकार है। डबल इंजन का विकास चारों ओर दिख रहा है। यहां की सरकार जमीनी सच्चाई को देखते हुए तेजी से काम कर रही है। उत्तराखण्ड में सरकार गांव की सड़कें हो या चारधाम की मार्ग हों इन पर अभूतपूर्व तेजी से काम कर रही है। आज दुनिया भारत को जिस उम्मीद से देख रही है आज हर भारतीय इसे एक दायित्व के रूप में ले रहा है। हर इनवेस्टर के लिए उत्तराखण्ड में संभावनायें हैं। आने वाले दिनों में उत्तराखण्ड टूरिज्म का एक सशक्त ब्राण्ड बनकर उभरने वाला है। इस अवसर पर स्वामी राम देव, चिदानंद जी महाराज, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट, सांसद अजय टम्टा,प्रणव अडानी, कल्याण चक्रवर्ती तमाम बड़े उद्योगपति, मंत्री सांसद विधायक मौजूद थे।

लक्ष्य से अधिक निवेश...करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। जिस तरह से पीएम मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए गुजरात का विकास किया उसी तरह उत्तराखण्ड को भी विकास के पथ पर आगे ले जाने का प्रयास किया जा रहा है। हमारा राज्य एक शानदार होस्ट है हम प्रति वर्ष करोड़ों पर्यटकों का हम स्वागत करते हैं। हमारे राज्य की कानून व्यवस्था उच्च कोटि की हैं। एक निवेशक को जो माहौल चाहिए वह इनवेस्टमेंट के सभी मापदण्डों का पूरा करता है। शीघ्र ही उत्तराखण्ड में गुजरात की तर्ज पर कन्वेंशन सेंटर की स्थापना करेंगे। निवेशकों को विश्वास दिलाते हैं कि उत्तराखण्ड में निवेश करने पर किसी भी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में कुछ ही वर्षों में उत्तराखण्ड ने एक अलग पहचान कायम की हैं जो आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के जो सपने हमने देखे थे वो साकार हो रहे हैं। हम प्रदेश को आईटी का हब बनाना चाहते हैं। जो उत्तराखण्ड में विश्व स्तरीय संस्थान हैं उनसे निकलने वाली युवा पीढ़ी को हम यहीं पर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए काम कर रहे हैं। उत्तराखण्ड संभावनाओं से भरा हुआ राज्य है। हम अपने संकल्पों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

वाहन खाई में गिरा..एसडीआरएफ रेस्क्यू टीम अपर उप निरीक्षक सुरेश तोमर के नेतृत्व में मय रेस्क्यू उपकरणों के तत्काल घटनास्थल हेतु रवाना हुई। घटनास्थल पर पहुँचकर टीम द्वारा देखा गया कि एक वाहन संख्या एचपी08ए 1427 अनियंत्रित होकर गहरी खाई में दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। एसडीआरएफ टीम द्वारा बिना वक्त गंवाये तुरन्त रोप के माध्यम से दुर्घटनाग्रस्त वाहन तक पहुंच बनाई। वाहन में 2 लोग सवार थे जिनकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गयी थी। एसडीआरएफ टीम द्वारा दोनोंव्यक्ति के शवों को बरामद कर बॉडी बैग के माध्यम से मुख्य मार्ग तक पहुँचाकर जिला पुलिस के सुपर्द किया। शवों की शिनाख्त हेतु जिला पुलिस द्वारा अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

ट्रक की टक्कर... मिलते ही पुलिसकर्मी मौके पर आ पहुंचे और उन्होंने मृतका के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेजा। पुलिस ने ट्रक कब्जे में लेकर उसके चालक को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया। बताया जाता है कि मृतका का एक पुत्र 24 वर्षीय संजय मेहर है जो वर्तमान में जयपुर में पढ़ाई कर रहा हैं। गीता की मृत्यु की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

सड़क पर.. है। उसकी शिनाख्त नहीं हो पायी है। माना जा रहा है कि महिला को कोई वाहन टक्कर मारकर फरार हो गया। पुलिसशिनाख्त के प्रयास कर रही है।

जिला टैक्स बार एसोसिएशन के इजहार अध्यक्ष और योगेश सचिव निर्वाचित

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। जिला टैक्स बार एसोसिएशन रूद्रपुर का वार्षिक चुनाव चुनाव अधिकारी अभिषेक रंजन की देख रेख में जीएसटी कार्यालय सभागार में आयोजित हुआ। जिसमें नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया।

बैठक में सर्वसम्मति से इजहार अहमद अध्यक्ष, सुनील शर्मा उपाध्यक्ष, योगेश छावड़ा सचिव, गुरमेज सिंह उप सचिव तथा हरीश चन्द्र शर्मा कोषाध्यक्ष पद पद निर्वाचित किये गये। इस मौके पर संरक्षक डीपी यादव, यशपाल अरोरा, जोगेन्द्र सिंह, जीवन राय तथा उत्तम सिंह रावत सहित सभी सदस्य मौजूद थे।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक-परमपाल सुखीजा समाचार सम्पादक-जगदीश चन्द्र
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रुद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

बहुद्देशीय शिविर में दी विभागीय योजनाओं की जानकारी

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। विकासखंड बाजपुर की ग्राम पंचायत रम्पुरा शाकर एवं जगन्नाथपुर एवं सितारगंज की ग्राम पंचायत उकरौली एवं नलई एवं रुद्रपुर की ग्राम पंचायत बरा एवं अजीतपुर, गदरपुर की ग्राम पंचायत पिपलिया एवं भैंसिया, जसपुर की ग्राम पंचायत किलावली एवं दुर्गापुर में लाभार्थीपरक योजनाओं के संतृप्तीकरण हेतु लक्षित लाभार्थियों तक समयबद्ध रूप से पहुंचाने हेतु विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समस्त ग्राम पंचायतों में बहुउद्देशीय शिविर के आयोजन में स्वास्थ्य विभाग मत्स्य विभाग, उद्यान विभाग, गन्ना विकास विभाग नलकूप विभाग खाद्य विभाग, पेयजल विभाग,समाज कल्याण विभाग, कृषि विभाग, बाल विकास विभाग द्वारा स्टाल लगाई गई। उक्त आयोजित कार्यक्रमों में विभागीय अधिकारियों द्वारा उपस्थित लाभार्थियों को आई.ई.सी प्रचार वाहन की एलईडी के माध्यम से विभागीय जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई तथा योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार किया गया साथ ही मौके पर लाभार्थियों को संबंधित विभागों द्वारा राज सहायता पर निवेशों/सामग्रियों का वितरण भी किया गया। समस्त कार्यक्रमों में लाभार्थियों द्वारा विभिन्न योजनाओं के तहत मेरी कहानी मेरी जुबानी का अनुभव साझा किया गया। समस्त ग्राम पंचायतों में हेल्थ कैंप भी लगाए गए जिसमें लाभार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। समस्त विभागों द्वारा विभागीय जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया।

देहरादून में वैश्विक निवेशक सम्मेलन का आगाज, डेलिगेट्स पधारे

राज्य में तीन लाख करोड़ के एमओयू, 44 हजार करोड़ ग्राउंडिंग हुई : सीएम

देहरादून(उद संवाददाता)। देहरादून में आठ व नौ दिसंबर को आयोजित होने जा रहे निवेशक सम्मेलन में भाग लेने के लिए उद्योगपतियों और औद्योगिक घरानों के प्रतिनिधियों के देहरादून पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है। जौलीग्रांट स्थित देहरादून एयरपोर्ट पर मेहमानों का सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वागत किया गया। सीएम धामी ने शासकीय आवास पर इन्वेस्टर्स समिट की पूर्व संध्या पर समिट में प्रतिभाग करने के लिए आए विभिन्न प्रतिष्ठित उद्योगों के प्रतिनिधियों से भेंट की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बृहस्पतिवार को एफआरआई पहुंचकर सम्मेलन की तैयारियों को फाइनल टच दिया। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी और हजारों प्रतिनिधियों के सामने पेश होने वाली सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को भी देखा और अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ देर रात्रि एफआरआई परिसर पहुंच कर उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से पूर्व अंतिम चरण की तैयारियों का निरीक्षण किया। सीएम धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में उत्तराखण्ड विकास का नया अध्याय लिखने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 8-9 दिसंबर को एफआरआई में आयोजित होने वाले डेस्टिनेशन उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की तैयारियों को लेकर आयोजन स्थल पर की गई सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि डेस्टिनेशन उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के तहत अभी 3 लाख करोड़ रुपये के करार किए जा चुके हैं, जबकि 44 हजार करोड़ रुपये के करारों की ग्राउंडिंग हो चुकी है। उन्होंने कहा कि राज्य में कार्य करने के लिए निवेशकों ने जो रुचि दिखाई उससे राज्य की प्रगति में नई ऊर्जा का संचार हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में राज्य में कार्य करने की अनेक संभावनाएं हैं। इन क्षेत्रों पर विशेष फोकस भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में ऐसे करारों को सबसे पहले प्राथमिकता दी जा रही है, जिसमें स्थानीय स्तर पर लोगों को सबसे अधिक रोजगार मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन्वेस्टर्स समिट के तहत जो करार हुए हैं, उन्हें धरातल पर उतारने का कार्य तेजी से चल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन्वेस्टर्स समिट में देश और विदेश के बड़े उद्योगपति भाग ले रहे हैं। हेल्थ, वेलनेस, शिक्षा, चिकित्सा, पर्यटन, ऑटोमोबाइल, फार्मा एवं राज्य की आवश्यकतानुसार विभिन्न सेक्टरों पर फोकस किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का मार्गदर्शन राज्य को निरंतर मिल रहा है। इस दशक को उत्तराखण्ड का दशक बनाने के लिए उनके मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा हर क्षेत्र में तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। इस अवसर पर मुख्य सचिव डॉ.एस एस संधु, अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, सचिव डॉ. आर. मीनाक्षी सुंदरम, श्री शैलेश बगोली, डॉ बी.वी.आर.सी पुरुषोत्तम, सचिव एवं गढ़वाल कमिश्नर श्री विनय शंकर पांडेय, जिलाधिकारी देहरादून श्रीमती सोनिका उपस्थित रहे। इसके साथ ही महानिदेशक उद्योग श्री रोहित मीणा, महानिदेशक सूचना श्री बंशीधर तिवारी एवं आयोजन की तैयारियों में लगे अधिकारी भी उपस्थित रहे।